

سُورَةُ الْمَاعُونِ

Surah 107 — Al-Maa'un (Almsgiving) · Meccan · 7 Ayahs · Translation: Hindi

1

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ أَرَأَيْتَ الَّذِي يُكَذِّبُ بِالْدِّينِ

क्या तुमने उस शख्स को भी देखा है जो रोज़ जज़ा को झुठलाता है

2

فَذَلِكَ الَّذِي يَدْعُ الْيَتِيمَ

ये तो वही (कम्बख्त) है जो यतीम को धक्के देता है

3

وَلَا يَحْضُ عَلَى طَعَامِ الْمَسْكِينِ

और मोहताजों को खिलाने के लिए (लोगों को) आमदा नहीं करता

4

فَوَيْلٌ لِّلْمُصَلِّينَ

तो उन नमाज़ियों की तबाही है

5

الَّذِينَ هُمْ عَنْ صَلَاتِهِمْ سَاهُونَ

जो अपनी नमाज़ से गाफिल रहते हैं

6

الَّذِينَ هُمْ يُرَآؤْنَ

जो दिखाने के वास्ते करते हैं

7

وَيَمْنَعُونَ الْمَاعُونَ

और रोज़मर्रा की मालूली चीज़ें भी आरियत नहीं देते

